भारत सरकार
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 5677
शुक्रवार, 26 जुलाई, 2019 को उत्तर दिए जाने के लिए

एनसीपीओआर

5677. श्री राजा अमरेश्वर नाईकः
डॉ. सुकान्त मजूमदारः
श्री विनोद कुमार सोनकरः

क्या पृथ्वी विज्ञान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या राष्ट्रीय ध्रुवीय और समुद्र अनुसंधान केन्द्र (एनसीपीओआर) ने हिमालय में 'हिमांश' नामक एक उच्च तुंगता अनुसंधान केन्द्र स्थापित किया है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या एनसीपीओआर के वैज्ञानिक हिमालयी ग्लेशियरों के अनुसंधान में शामिल हैं, और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(घ) क्या एनसीपीओआर द्वारा चंद्र बेसिन में किए गए अध्ययन इन ग्लेशियरों के पीछे हटने की दरों को इंगित करते हैं और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ङ) गत तीन वर्षों के दौरान इस क्षेत्र में एनसीपीओआर द्वारा अन्य क्या कदम उठाए गए हैं?

उत्तर
विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी तथा पृथ्वी विज्ञान मंत्री
(डॉ. हर्ष वर्धन)

(क) जी, हाँ।

(ख) हिमाचल प्रदेश के लाहौल-स्पीति के सुत्री ढाका नामक एक दूरस्थ क्षेत्र में 4000 मीटर की ऊँचाई पर 'हिमांश' उच्च तुंगता स्टेशन स्थित है। इस स्टेशन की स्थापना का उद्देश्य जलवायु परिवर्तन के प्रति हिमालयी ग्लेशियरों की प्रतिक्रिया और परिमाण का अध्ययन करना है। इस स्टेशन में मौसम की निगरानी के लिए स्वचालित मौसम स्टेशन, ग्लेशियर की पिघलन के परिमाण के लिए जल स्तर रिकॉर्डर, ग्लेशियर की मोटाई का आकलन करने के लिए भूमि वेधन राडार, ग्लेशियर मूवमेंट का अध्ययन करने के लिए जियोडेटिक जीपीएस प्रणाली तथा विभिन्न ग्लेशियोलॉजिकल उपस्कर जैसे अनेक उपकरण हैं।

(ग) जी, हाँ । एनसीपीओआर के वैज्ञानिक हिमालयी ग्लेशियरों के अनुसंधान में शामिल हैं इसका विवरण निम्नवत है:-

1. ग्लेशियर निगरानी अध्ययन।
2. ग्लेशियर डायनामिक्स और फील्ड ग्लेशियोलॉजिकल स्टडीज़ का भूभौतिकीय अध्ययन।
3. भू-स्थानिक और जियोडेटिक डाटा आधारित ग्लेशियर अध्ययन।
4. ग्लेशियरों के मौजूदा एवं भावी व्यवहार को समझने के लिए ग्लेशियर एवं ग्लेशियो-हाइड्रोलॉजिकल माडलिंग।
5. क्षेत्र मापन और आइसोटोप फिंगरप्रिंटिंग का इस्तेमाल करके ग्लेशियो-हाइड्रोलॉजिकल अध्ययन।
6. फील्ड डाटा और माडलिंग का उपयोग करके ग्लेशियर बेसिनों में एनर्जी बैलेंस अध्ययन।

(घ) जी, हाँ । पश्चिमी हिमालय में चंद्र बेसिन ग्लेशियर प्रति वर्ष 13 से लेकर 33 मीटर की दर से पीछे हट रहे हैं।

(ङ) एनसीपीओआर ने 2013 से पश्चिमी हिमालय में लाहौल-स्पीति (हिमाचल प्रदेश) के चंद्र बेसिन में अध्ययन किया है। इस बेसिन के कुल छह ग्लेशियर नामत: सुत्री ढाका, बाटल, बारा शिगरी, समुद्र टापू, गपांग गथ और कुंजुम की मॉस, ऊर्जा और हाइड्रोलॉजिकल संतुलन के लिए निगरानी रखी गई है।

*****